मैं आरती तेरी गाउँ लिरिक्स

मैं आरती तेरी गाऊं
ओ केशव कुंज' बिहारी
मैं आरती तेरी गाऊं
ओ केशव कुंज बिहारी

मैं नित नित शीश नवाऊं
ओ मोहन 'कृष्ण मुरारी'
मैं नित नित शीश नवाऊं
ओ मोहन कृष्ण मुरारी

है तेरी छबी अनोखी
ऐसी ना दूजी देखी
है तेरी छबी 'अनोखी
ऐसी ना दूजी देखी

तुझसा ना 'सुन्दर कोई
ओ मोर मुकुट धारी
तुझसा ना सुन्दर कोई
ओ मोर' मुकुट धारी

मैं आरती तेरी गाऊं
ओ केशव कुंज 'बिहारी
मैं नित नित शीश नवाऊं
ओ मोहन कृष्ण मुरारी

जो आये सरण तिहारे
बिपदा मिट जाये सारी
जो आये 'सरण तिहारे
बिपदा मिट जाये सारी

हम सब पर कृपा रखना
ओ जगत के पालन हारे

हम सबपर 'कृपा रखना
ओ जगत के पालन हारे

मैं आरती तेरी गाऊं
ओ केशव कुंज बिहारी
मैं नित 'नित शीश नवाऊं
ओ मोहन कृष्ण मुरारी

मैं आरती तेरी गाऊं
ओ केशव 'कुंज बिहारी

https://allbhajanlyrics.com/main-aarti-teri-gaun-lyrics/